RPF रेल रक्षक भर्ती

Class-28

History

⇒ कांची पर आक्रमण - (उस समय कांची के शासक) Attack on Kanchi
(Ruler of Kanchi at that time)

(असफल) (failed)

महेंद्रवर्मन (पल्लव वंश) Mahendravarman (Pallava dynasty)

⇒ महेन्द्र वर्मन के उत्तराधिकारी → नरसिंह देव वर्मन ने पुलकेशिन II को बहुत बुरी तरह हराया — Imp.

Successor of Mahendra Varman → Narasimha Deva Varman defeated Pulakesin II very badly

विक्रमादित्य

↓

विनयादित्य Vinayaditya

पुलकेशिन II
⇓
विक्रमादित्य
⇓
विनयादित्य
⇓
विजयादित्य

⇓
विक्रमादित्य II
⇓
कीर्तिवर्मन II ⇒ अंतिम शासक

⇒ विजयादित्य → इसने कांची को अधीन कर लिया : परमेश्वरवर्मन II को हराया था
Vijayaditya Subjugated its Kanchi : Parameshvavarman II was defeated

विक्रमादित्य II

⇒ कीर्तिवर्मन II → को हराकर दंतीदुर्ग ने राष्ट्रकूट वंश की स्थापना की (Imp.)

अंतिम शासक Dantidurga founded the Rashtrakuta dynasty by defeating Kirtivarman II.

चालुक्य वंश (वेंगी) ⇒ पूर्वी शाखा [Eastern Branch]

→ संस्थापक (founder) ⇒ विष्णुवर्धन
→ राजधानी (Capital) ⇒ वेंगी (आंध्रप्रदेश)
→ इस वंश का सबसे प्रतापी राजा विजयादित्य III था।
→ विजयादित्य तृतीय (III)
→ इसका सेनापति (Chief Commander) "पंडरंग" था।

कल्याणी के चालुक्य → केरल

- संस्थापक (founder) → तैलप II (993-997 AD ई०)
- राजधानी (Capital) → मान्यखेट / मान्यखेत
- तैलप II → उपाधि (Title) ⇒ अश्वमल्ल

⇒ सत्याश्रय (997 AD – 1000 AD)

↳ महमूद गजनवी भारत इसी के शासनकाल में आया।

⇓

सोमेश्वर प्रथम (I) ⇒ राजधानी (Capital) मान्यखेट से कल्याणी बनाई। — Imp.

⇓

विक्रमादित्य II

विक्रमादित्य II

(1) विरूपाक्ष मंदिर का निर्माण कराया [formation of Virupaksh Temple]

↳ कर्नाटक (भगवान शिव को समर्पित (Karnataka) (dedicated to God Shiva)

⇒ विक्रमादित्य VI

↳ इस वंश का सबसे प्रतापी शासक।

↳ विल्हण एवं विज्ञानेश्वर इसी के दरबार में रहते थे।

⇓

"विक्रमांकदेवचरित" ⇒ विल्हण की रचना

विज्ञानेश्वर

⇓

रचना → मिताक्षरा

9 वीं शताब्दी ← चोल राजवंश

चोल वंश पल्लवों के ध्वंसावशेषों पर स्थापित किया गया।

→ संस्थापक – विजयालय (848–871 AD)
Founder – Vijalaya (848 – 871 AD)

→ (राजचिह्न – बाघ Emblem - Tiger

→ राजधानी - मलनूर / उरैयूर / पुहार राजधानी
Capital - Malanur / Uraiyur / Puhar Capital

तमिलनाडु ← तंजौर (तंजावुर) → वास्तुकार (Architect)
Tanjore (Thanjavur) ⇓
राजराज पेरुंथच्चन

चोल राजवंश

- संस्थापक (founder) → विजयालय
- राजधानी (Capital) → तंजौर / तंजावुर
- राजचिन्ह (Emblem) → बाघ (Tiger)

विजयालय

- उपाधि – नरकेसरी Title :- Narkesari -
  - ⇒ चोलेश्वर मंदिर का निर्माण कराया Cholesshwar temple built
  - ⇒ पल्लवों का सामंत था (मंत्री) was a feudatory of the Pallavas (Minister)

कराईकल

- सबसे प्रतापी राजा Most majestic king Imp.
  - ⇒ उत्तर भारत पर आक्रमण करके मगध & अवंती को जीता
    Invaded North India and won Magadha & Avanti

आदित्य I ⇒ चोलों का स्वतंत्र राज्य आदित्य I ने स्थापित किया

वेणी का युद्ध → उ० भारत के राजाओं के संघ को हराया
Battle of Veni → Defeated the Confederacy of kings of North India

करिकल ⇒ पुहार बंदरगाह का निर्माण किया Puhar port built

आदित्य प्रथम (कोदण्डराम) – पल्लव शासक अपराजित वर्मन को हराया
उपाधि
Aditya I (Kodandarama) – defeated Pallava ruler Aparajita Varman

चोलों के स्वतंत्र राज्य की स्थापना।
⇒ परान्तक प्रथम – पांड्य शासकों को हराया था Pandya ruler were defeated
↳ तंजौर का चिदम्बरम मंदिर बनवाया Chidambaram temple of Tanjore built

राष्ट्रकूट शासकों "कृष्ण I ने गंगो के साथ मिलकर परांतक I को हरा दिया और उत्तरी क्षेत्र छीना
Rashtrakuta rulers "Krishna I along with Ganga defeated Parantaka I and Captured the northern territory.

पल्लव वंश
↳ हराया
स्वतंत्रता (चोल शासक)
आदित्य I → चोल शासक
इनसे पल्लव शासक अपराजित वर्मन को हराया।

⇒ आदित्य I द्वारा पल्लवों को हराने के पश्च
"कोदण्डराम" की उपाधि धारण की गयी।

विजयालय
⇓
कराईकल
⇓
आदित्य I
⇓
परान्तक I
⇓
राजराज प्रथम
⇓
राजेन्द्र प्रथम
⇓
राजेन्द्र II
⇓
राजेन्द्र III

⇒ आदित्य I द्वारा पल्लवों को हराने के पश्चात "कोदण्डराम" की उपाधि धारण की गयी।

विजयालय
⇓
कराईकल
⇓
आदित्य I
⇓
परान्तक I
⇓
राजराज प्रथम
⇓
राजेन्द्र प्रथम
⇓
राजेन्द्र II
⇓
राजेन्द्र III